साँवरिया मेरी गाड़ी छूटी जाए

साँवरिया, मेरी गाड़ी छूटी जाए ॥
*जाना है मुझे वृंदावन ॥, कुछ भी समझ न आए,,,
साँवरिया, मेरी गाड़ी छूटी जाए,,,,,,,,,,,,,

वृंदावन के राज दुलारे, सुन लो विनती मेरी ।
अपने दीवानों में अब तो, कर लो गिनती मेरी ॥
*सर पे हाथ तुम्हारा रख दो ॥, अब तो रहा न जाए,,,
साँवरिया, मेरी गाड़ी छूटी जाए,,,,,,,,,,,,,

कैसा लगता होगा जब तुम, सजकर आते होगे ।
वृंदावन का कण कण बोले, बँसी बजाते होगे ॥
*हमने तुमको इतना चाहा ॥, कोई कभी न चाहे,,,
साँवरिया, मेरी गाड़ी छूटी जाए,,,,,,,,,,,,,

अपने दीवानों से कान्हा, क्यों है इतनी दूरी ।
तुमको है मालूम साँवरिया, मेरी क्या मजबूरी ॥
*भीड़ बहुत है स्टेशन पर ॥, कैसे टिकट कटाएं,,,
साँवरिया, मेरी गाड़ी छूटी जाए,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26731/title/sanwariya-meri-gaadi-chhuti-jaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |